Paper - II

MT

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - II

Time : 3 Hours | **Model Answer Paper** | **Max. Marks : 80**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) **उत्तर लिखिए।** — 2

i) एक मन चावल, एक मन दाल

ii) पाँच मन जौ, पाँच मन चने

iii) मन भर तिल, मन भर नमक

iv) दस मन गेहूँ ,चार पसेरी घी।

2) i) **समझकर लिखिए।** — 1

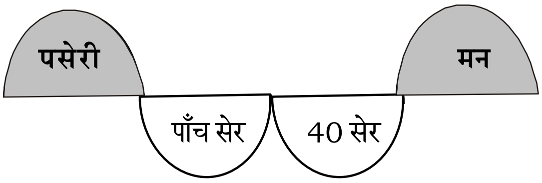

ii) **उत्तर लिखिए।** — 1

(1) बिल्ली की हत्या बहुत बड़ा पाप है।

(2) बड़े पाप के लिए बड़ा खर्च भी करना चाहिए।

3) i) **समान अर्थ के शब्द लिखिए।** — 1

(1) हाथ - हस्त

(2) नाच - नृत्य

ii) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** — 1

(1) रुआसी - रूआँसी

(2) खरच - खर्च

4) अंधविश्वास एक सामाजिक अभिशाप है। अंधविश्वास ने हमारे समाज को खोखला बना दिया है। जादू-टोना, शकुन - अपशकुन, गंडा - ताबीज आदि अंधविश्वास की संतति है। आज कई प्रकार के अंधविश्वासों ने रूढ़ियों का भी रूप धारण कर लिया है। आज हमारे देश में कई पाखंडी बाबाओं का वर्चस्व बढ़ रहा है। आस्था एवं धर्म के नाम पर लोगों को फँसाया जा रहा है। व्यक्ति की हानि हो रही है और समाज एवं देश की भी दुर्गति हो रही है। **2**

उ.1. **(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

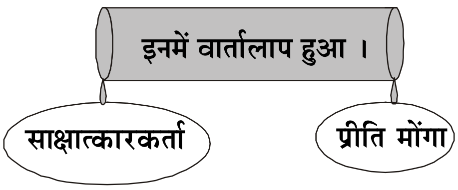

ii) (1) दृष्टिहीनता प्रीति की शारीरिक कमज़ोरी थी। ½

(2) मिक्सी का प्रयोग किया । ½

2) i) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों।** **1**

(1) **जूस** - प्रीति साक्षात्कारकर्ता के लिए क्या ले आई ?

(2) **प्रीति** - दृष्टिहीन कौन थीं ?

ii) **उचित पर्याय चुनकर लिखिए।** **1**

(1) बाहर बहुत गरमी हो रही थी।

(2) समय का बहुत ध्यान रखती हूँ ।

3) i) **निम्नलिखित वाक्यों को उचित तालिका में लिखिए।** **1**

सामान्य वर्तमानकाल	(i) प्रीति जूस लेकर आती है। (ii) प्रीति अपना नाम बताती है।
सामान्य भूतकाल	(iii) प्रीति ने नमस्कार किया।
पूर्ण भूतकाल	(iv) प्रीति ने अपना नाम बताया था।

ii) **रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए।** **1**

(1) सज्जन → सज्जनता

(2) मानव → मानवता

4) सचमुच हमारे जीवन में समय का बड़ा महत्त्व होता है । खोए हुए धन - दौलत को फिर से प्राप्त किया जा सकता है, परंतु बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता । हमारे लिए एक - एक क्षण मूल्यवान है । समय को बरबाद करना अपने जीवन को बरबाद करना है । इसलिए समय के महत्त्व को समझकर हमें उसका अधिक से अधिक सदुपयोग करना चाहिए । **2**

उ.1. **(ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) **उत्तर लिखिए ।** ½

i) कंप्यूटर बटन दबाते ही सारी जानकारी दे देता है।

ii) **उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण लिखिए।** ½

1) कंप्युटर एक **<u>जादुई बक्सा है।</u>**

2) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(i) रेल्वे आरक्षण की समस्या (ii) बैंकों में रिकार्ड रखने की समस्या (iii) लाखों-करोड़ों की गणना करने की समस्या (iv) क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक की भूमिका से संबंधित समस्या

3) आज मानव तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेतहाशा व्याकुल है। आज मानव हर क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। आजकल संस्थाओं तथा उद्योग धंधों में कंप्यूटर का प्रयोग विशाल पैमाने पर हो रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में मशीनों तथा कारखानों का संचालन करने के लिए कंप्यूटर को प्रयोग में लाया जाता है। सूचना एवं समाचार के संदर्भ में भी कंप्यूटर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। कंप्यूटर नेटवर्क के द्वारा विश्वभर के नगर एक-दूसरे से एक परिवार की भाँति जुड़ गए हैं। बैंकों में हिसाब-किताब रखने के लिए कंप्यूटर का प्रयोग अधिक से अधिक किया जा रहा है। यही नहीं, घर के कंप्यूटरों को भी बैंक के कंप्यूटरों से संबद्ध किया जा सकता है। आज अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कंप्यूटर राम-बाण सिद्ध हुआ है। इसके द्वारा अंतरिक्ष के विशाल पैमाने पर चित्र एकत्र किए जा रहे हैं। **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. **(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

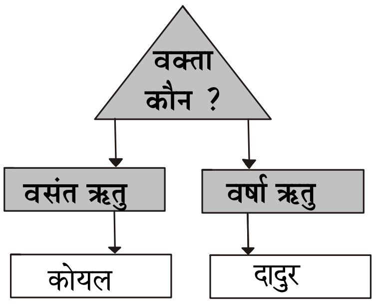

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** 1

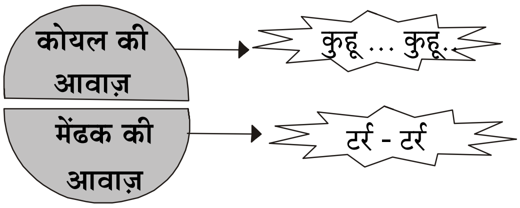

2) i) (1) मेंढक (2) कोयल 1

ii) (1) प्रतिकूल परिस्थिति में चुप रहें। 1
(2) जब उचित समय आए तब अपने विचार प्रकट करें।

3) i) **समानार्थी शब्द लिखिए।** 1
(1) कोयल - कोकिल
(2) मेंढक - दादुर

ii) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** 1
(1) वक्ता × श्रोता
(2) मौन × वाचाल

4) कवि रहीम के अनुसार मनुष्य को सही समय आने पर ही अपने गुण प्रकट करने चाहिए। वे कहते हैं कि प्रतिकूल स्थिति में हमें मौन धारण करना चाहिए। जिस प्रकार वर्षाऋतु आने पर मेंढक टर्र-टर्र करने लगता है और कोयल प्रतिकूल स्थिति भाँपकर मौन धारण कर लेती है। वर्षाऋतु के ऐसे प्रतिकूल समय में कोयल के गुणों को कोई महत्त्व नहीं देता। ऐसी परिस्थिति में कोयल का मौन धारण करना ही उचित होता है। 2

उ.2. **(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **चौखट पूर्ण कीजिए ।** 1

ii) **समझकर लिखिए।** 1
(1) 'भ्रष्टाचार चारों ओर फैला हुआ है।
(2) हर किसी का पाँव घुटनों तक सना है।

2) i) **उत्तर लिखिए।** — 1

(1) सड़क पर कीचड़ बिछा हुआ है।

(2) संसद।

ii) (1) **वर्तुल पूर्ण कीजिए।** — ½

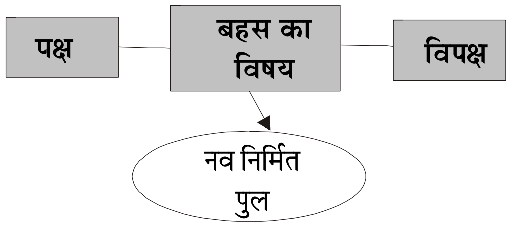

(2) **समझकर लिखिए।** — ½

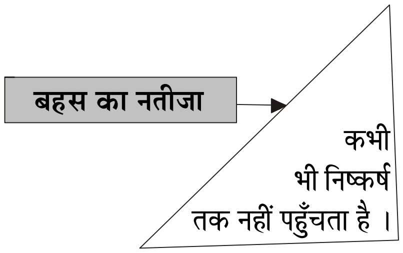

3) i) **शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए।** — 1

(1) पुल - पुल्लिंग

(2) संसद - स्त्रीलिंग

ii) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।** — 1

(1) पाव - पाँव

(2) सन्सद - संसद

4) कवि दुष्यंत कुमार ने अपनी कविता को माध्यम बनाकर आज की घिनौनी मानसिकतावाली राजनीति का वर्णन किया है। वे कहते है कि सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है कि हर किसी का पाँव घुटनों तक सन गया है। कहने का तात्पर्य यही है कि आज के नेता भी आम आदमी की नहीं सुनते। वे भी औरों की तरह सिर्फ पैसा, प्रसिद्धि और शौक के लिए राजनीति कर रहे हैं। उन्हें आम जनता से कोई लेना-देना नहीं है। सभी राजनेता एक ही थैली के चट्टे-बट्टे बन गए हैं और अपना मतलब निकाल रहे हैं। — 2

विभाग - 3 - पूरक पठन

उ.3. **पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(4)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1)

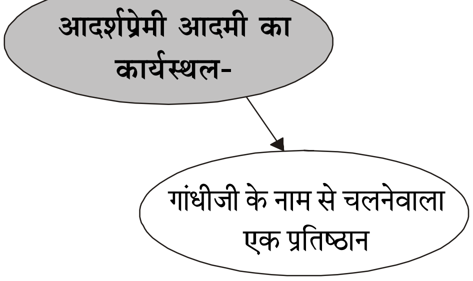

(2)

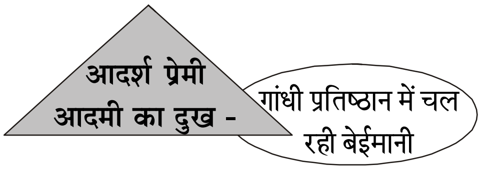

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) दूसरी औरतों के कुलटापन की बीमारी से परेशान हैं।

(2) जिन्होंने युवावस्था में अपने आपको किसी प्रतिष्ठान को समर्पित कर दिया था ।

2) सत्य व अहिंसा के महान उपासक महात्मा गांधीजी आदर्श नीतिज्ञ थे। सच्चाई, मानवता, सदाचार व न्याय पर उनकी असीम निष्ठा थी। 'बुरा मत देखो, बुरा मत कहो और बुरा मत सुनो' ऐसी गांधीजी की विचारधारा थी। इन्हीं सिद्धांतों का उन्होंने आजीवन पालन किया। इन्हीं सिद्धांतों को एक आदर्श आयाम देने के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके ये सिद्धांत नैतिकता के आधार स्तंभ थे। **2**

विभाग - 4 - व्याकरण

उ.4. **सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

भारत देश महान है ।

	ii)	**अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** **एक हजार** - संख्यावाचक विशेषण	½
2)		**निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए ।** वाणी <u>का</u> मन पर गहरा संस्कार <u>पड़ता रहता</u> है ।	1
3)	i)	**निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **होना** - सात पैसे लाया हूँ ।	½
	ii)	**सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ली (लेना) सहायक क्रिया	½
4)		**प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **क्रिया** — **प्रथम प्रेरणार्थक** — **द्‌वितीय प्रेरणार्थक** मिलना — मिलाना — मिलवाना	1
5)	i)	**अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **बाप रे !** - बाप रे ! इतनी भयानक बाढ़ आई थी ।	1
	ii)	**अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **जब ...तब..** : समुच्चयबोधक अव्यय	1
6)		**कालपरिवर्तन कीजिए ।**	2
	i)	चिंतकों ने निश्चित वाणी की खोज की है ।	
	ii)	उन्हें अक्ल आ जाती थी ।	
7)	i)	**मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **मुँह फेरना** - उपेक्षा जताना । **वाक्य :** मैंने मित्र से उसकी पुस्तक माँगी तो उसने **<u>मुँह फेर लिया ।</u>**	1
	ii)	**अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** चोरी पकड़ी जाने के कारण नौकर **<u>सिर झुकाए बैठा था ।</u>**	1

विभाग - 5 - रचना

उ.5. **परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** 5

संतोष तिवारी
लक्ष्मीनगर,
अमरावती ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
शीतल बुक डिपो, मंगलवार पेठ,
पूना ।

विषय : पुस्तकों की कम प्रतियों की प्राप्ति तथा फटी पुस्तकों के लिए शिकायत पत्र ।

माननीय महाशय,

मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ । इस पत्र के द्वारा मैं आपका ध्यान मँगवाई गई पुस्तकों की कम प्रतियों तथा तीन फटी पुस्तकों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ ।

मैंने दस दिन पहले ही आपके यहाँ से पुस्तकें मँगवाई थीं । बड़े दुख के साथ लिखना पड़ रहा है कि पुस्तकें संख्या में अपूर्ण हैं और कुछ प्रतियाँ फटी हुई हैं । हिंदी व्याकरण और अंग्रेजी की दस-दस प्रतियाँ मँगवाई थीं लेकिन आठ-आठ ही प्राप्त हुई हैं । इसके अलावा 'भारत की खोज' और वीर सावरकर की जीवनी तथा 'गोदान' पुस्तकों की प्रतियाँ फटी हुई हैं । ये तीनों पुस्तकें पोस्ट पार्सल के माध्यम से वापस भेज रहा हूँ। केशमेमो क्रमांक 222 ए दिनांक 25 फरवरी, 2017 है । बिल की झेराक्स कॉपी पत्र के साथ भेज रहा हूँ ।

आशा करता हूँ कि पत्र मिलते ही उपर्युक्त विषय पर आप ध्यान देंगे और नई पुस्तकें भिजवाने की व्यवस्था करेंगे ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय,
संतोष तिवारी ।

	टिकट
	सेवा में,
प्रेषक,	श्रीमान व्यवस्थापक जी,
संतोष तिवारी,	शीतल बुक डिपो,
लक्ष्मी नगर,	मंगलवार पेठ,
अमरावती ।	पूना ।

अथवा

रमेश पांडे
इंद्रानगर,
फिरोजपुर ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर ।

विषय : औषधियाँ मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र।

माननीय महोदय,

मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ । मुझे जिन औषधियों की आवश्यकता होती है, वे सभी आपके यहाँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं ।

पिछले तीन-चार सालों से मैं आपके यहाँ से औषधियाँ खरीद रहा हूँ । कुछ दिन पहले ही मैंने आपके औषधि भंडार से कुछ दवाएँ मँगवाई थीं । उन दवाओं के सेवन से मुझे बहुत आराम मिला है । कुछ और देशी दवाइयाँ मँगवाना चाहता हूँ । पाँच सौ रुपए का पोस्टल ऑर्डर पत्र के साथ भेज रहा हूँ ।

दवाओं की सूची इस प्रकार है :

क्रमसंख्या	औषधि का नाम	मात्रा
1	कायम चूर्ण	300 ग्राम
2	च्यवनप्राश	800 ग्राम
3	द्राक्षासव	5 बोतल
4	शहद	1 बोतल

आशा है कि आप तुरंत औषधियाँ भेजने की कृपा करेंगे ।
कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।
धन्यवाद !

भवदीय,
रमेश पांडे ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर ।

प्रेषक,
रमेश पांडे
इंद्रानगर,
फिरोजपुर ।

2)	**निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए ।** **'सच्ची सहायता'** एक समय की बात है । दोपहर का समय था । अदालत में भोजन का अवकाश हो चुका था । सारे वकील विश्राम कक्ष में बैठ कर बातें कर रहे थे । उसी समय एक मासूम बालक भीख माँगता हुआ विश्राम कक्ष के पास आ पहुँचा । एक वकील ने उस बच्चे को भीख माँगते हुए देखा तो अपने पास बुला लिया । उसने बच्चे से भीख माँगने का कारण पूछा तो बच्चे ने बताया कि उसकी माँ बीमार है, जिसके इलाज के लिए वह भीख माँग रहा है । सभी वकीलों ने मिलकर उस बच्चे को समझाया कि भीख माँगना बुरा काम हैं । तुम कुछ परिश्रम करो और उसकी सच्ची सहायता करते हुए उसे बुट - पॉलिश का सामान खरीद कर दिया । अब वह अदालत के गेट पर बैठ कर बुट - पॉलिश करने लगा और मेहनत का पैसा कमाने लगा । **सीख :** इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें किसी की मदद भिक्षा देकर नहीं बल्कि ऐसी सहायता देकर करनी चाहिए जिससे वह खुद कमा कर खा सके और उसे किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े ।	5
3)	**निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके ।** 1. मानव जीवन के विकास का आधार क्या है ? 2. व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार क्या है ? 3. किन लोगों को शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है ? 4. साहूकार द्वारा कौन ठग लिया जाता है ? 5. आजादी के पहले शिक्षा के क्षेत्र में लोगों की स्थिति कैसी थी ?	5
उ.6.	**1) प्रसंग लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** मै संध्या समय नदी किनारे टहलने के लिए गया था । उस वक्त पास के गाँव के दो बच्चे भी नदी किनारे टहलने आए थे । उनमें से एक बच्चे ने अपने साथ लाई हुई कूड़े - कचरे की बैग पानी में फेंक दी । मैं हैरान हो गया और तपाक से चिल्लाकर बोला, यह तुम क्या कर रहे हो ? इस प्रकार नदी में कूड़ा कचरा फेंकने से जल प्रदूषण बढ़ता है । मेरे इस कथन का उस बच्चे पर किसी भी प्रकार का असर नहीं हुआ । वह सिर्फ हँस रहा था । मुझे उस पर बहुत गुस्सा आया । मैंने कहा, तुमने जो कुछ किया है, वह गलत है और तुम्हें आगे चलकर इस प्रकार का कार्य नहीं करना चाहिए । अपनेदोस्तों के साथ मजाक मस्ती करते हुए उसने कहा कि उसके ऐसा करने से कुछ भी फर्क नहीं पड़ने वाला है । यदि वह कचरा नहीं फेंकेगा, फिर भी नदी प्रदूषित होगी । अब मुझसे रहा नहीं गया । मैंने उसे आड़े हाथों लेते हुए डाँटा फटकारा । पश्चात समझाते हुए कहा कि नदी हमारी माता है । हमें उसका ख्याल रखना चाहिए । जल ही जीवन है और हमें उसे भविष्य के लिए सँभालकर रखना चाहिए । मेरे इस कथन का उस बच्चे पर थोड़ा बहुत असर हुआ । उसने भविष्य में जल को प्रदूषित न करने की कसम खा ली और अपने इस करतूत पर मुझसे माफी माँगी । मैंने भी उदार हृदय से उसे माफ कर दिया और हम तीनों नदी में फैले हुए कूड़े-कचरे को एकत्रित करने में व्यस्त हो गए ।	5

2) विज्ञापन लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

शिक्षक चाहिए
योग्यता - प्रशिक्षित स्नातक विषय - हिंदी, 1 पद, शिक्षण सेवक पद
आवेदन पत्र दिनांक 15 मई, 2017 तक सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक। चयनित अभ्यर्थी को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा । सेवा में, प्रधानाचार्य, अनंत इंग्लिश स्कूल, गाला नगर, गांधी रोड, नालासोपारा (पूर्व), ठाणे।, बीओसी - 2487601.

3) स्वमत अभिव्यक्ति । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

सूखा या अकाल प्राकृतिक आपदा का रूप होता है । जब किसी प्रदेश में दो-तीन वर्षों तक बरसात नहीं होती है तो वहाँ का भू-भाग अकाल की चपेट में आ जाता है । बरसात न होने के कारण जमीन में दरारें पड़ जाती हैं । पेड़ भी इस सूखे की चपेट में आ जाते हैं । वे भी सूख जाते हैं । उन पर एक भी पत्ता दिखाई नहीं देता है । मनुष्य ही क्या पशु-पक्षियों की भी स्थिति दयनीय हो जाती है । इस सूखे के कारण सभी चाहे वो मनुष्य हों या अन्य प्राणी हों अपने प्रदेश को छोड़कर कहीं और चले जाते हैं । आजकल अकाल जैसी प्राकृतिक आपदा का सामना सभी को करना पड़ रहा है। विश्व में अकाल की वृद्धि हो रही है, अत: मनुष्य को प्राकृतिक आपदाओं के साथ संघर्ष करना पड़ रहा है । इस आपदा से बचने के लिए पेड़ लगाने चाहिए ।

❖❖❖❖